संदेशो | by Anubhav Agarwal

सांवरिया बोलो कद म्हाने संदेशो भिजवावोगा
कद दर्शन करबा खातिर बुलावोगा

थारो म्हारो प्रेम अनूठो जैय्यां प्रीत पुराणी
फिर भी क्यूँ तडपावे हो म्हाने बोलो शीश के दानी
उलझीं गांठ्यां ने कद म्हारा श्याम धणी सुलझावोगा
कद दर्शन करबा खातिर बुलावोगा

आवे हिचकयां रुक रुक करके जिवडो उठ उठ जावे
साँची बोलूं हे गिरधारी मनडो चैन ना पावे
थे घाल के चाबी कद ताला किस्मत का खुलवावोगा
कद दर्शन करबा खातिर बुलावोगा

अर्ज़ी करे है बाबा थां सु शिवम् भोलो भालो
गौर करो म्हारी बातां पे, मत ना श्याम थे टालो
म्हारी पकड़ आंगली कद थारी नगरी थे घुमावोगा
कद दर्शन करबा खातिर बुलावोगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a5%8b-by-anubhav-agarwal/